



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

4 श्रावण 1935 (श0)  
(सं0 पटना 596) पटना, शुक्रवार, 26 जुलाई 2013

#### बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

अधिसूचना  
9 मार्च 2013

सं0 2096—श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, ग्राम+पो0— बड़का ढकाईच, बक्सर पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं0—421 है । इस न्यास की सुव्यवस्था के संबंध में पर्षद को जानकारी प्राप्त हुई थी । उसके उपरान्त पर्षदीय पत्रांक—1257, दिनांक 27/10/2011 द्वारा अंचलाधिकारी, सिमरी, जिला—बक्सर से इस न्यास के सम्यक संचालन हेतु अच्छे लोगों की समिति का जो समाज के सभी वर्गों से आते हों, का नाम भेजने का अनुरोध किया गया था । अंचलाधिकारी, सिमरी, बक्सर के पत्रांक—1195, दिनांक 21/12/12 द्वारा न्यास समिति के गठन हेतु सदस्यों का नाम प्राप्त हुआ है ।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास पर्षद की उप—विधि सं0—43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, ग्राम+पो0— बड़का ढकाईच, बक्सर की सम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण तथा सुप्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है ।

#### योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी न्यास समिति, ग्राम+पो0—बड़का ढकाईच, बक्सर” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी न्यास समिति, ग्राम+पो0— बड़का ढकाईच, बक्सर” जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा ।
2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा—पाठ एवं साधु—सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा ।
3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा ।
4. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा ।
5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप—विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय—व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी ।

6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे । न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी ।

7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी ।

8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि "यदि कोई हो तो", उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी ।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा ।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी ।

11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी ।

12. इस न्यास समिति का कार्यकाल दिनांक 15.03.2013 से 05 वर्ष की होगी, लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर समुचित कार्रवाई की जायेगी ।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों को न्यास समिति गठित की जाती है:-

(1) श्री इन्द्रासन दूबे	—	अध्यक्ष
(2) श्री कन्हैया दूबे	—	सचिव
(3) श्री प्रमोद दूबे	—	कोषाध्यक्ष
(4) श्री कामता दूबे	—	सदस्य
(5) श्री अभिनंदन पान्डेय	—	पुजारी
(6) श्री योगेन्द्र दूबे	—	सदस्य
(7) श्री सचितानंदन दूबे	—	"
(8) श्री बैकुंठ दूबे	—	"
(9) श्री अजय प्रधान	—	"
(10) श्री अंगद धोबी	—	"
(11) श्री भुषन यादव	—	"

विश्वासभाजन,  
किशोर कुणाल,  
अध्यक्ष ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 596-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>